दैनिक
न्याय साक्षी
अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्याससाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 | Postal Registration No-055/Raigarh DN CG | रायगढ़, सोमवार 19 मई 2025 | पृष्ठ-4, मूल्य 3 रुपए | वर्ष-07, अंक- 227

अंतर्राष्ट्रीय

व्हाइट हाउस ने 2 जिहादियों को बनाया सलाहकार; एक आतंकी प्रशिक्षण ले चुका, जेल भी गया

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपने प्रशासन में विवादास्पद नियुक्तियों को लेकर एक बार फिर चर्चाओं में हैं। दरअसल, ट्रंप प्रशासन ने आतंकवाद से संबंधित आरोपों में 13 साल जेल में बिताने वाले पूर्व जिहादी इस्माइल रॉयर को व्हाइट हाउस के धार्मिक स्वतंत्रता आयोग के सलाहकार बोर्ड का सदस्य नियुक्त किया है। इसके अलावा एक और पूर्व जिहादी शेख हमजा यूसुफ को भी इसी बोर्ड का सदस्य नियुक्त किया गया है। 2003 में इस्माइल पर आतंकवाद से संबंधित अपराधों का आरोप लगाया गया था। इनमें अमेरिका के खिलाफ युद्ध छेडऩे की साजिश रचने और अल-कायदा और लश्कर-ए-तैयबा को सहायता प्रदान करना शामिल था। रिपोर्ट के अनुसार, 2004 में उसने विस्फोटकों के इस्तेमाल में मदद करने के आरोप भी स्वीकार किए थे। इस मामले में इस्माइल को 20 साल की सजा हुई थी और वो 13 साल जेल में रहा है। इस्माइल का जन्म सेंट लुईस में हुआ था। अमेरिकी डिपोर्टमेंट और जस्टिस के मुताबिक, इस्लाम धर्म अपनाने के बाद इस्माइल बोस्नियाई शरणार्थियों के साथ काम करने लगा। इसके बाद वह गृहयुद्ध लडऩे के लिए बोस्निया चला गया। रिपोर्ट के मुताबिक, साल 2000 में इस्माइल पाकिस्तान गया, जहां वो लश्कर-ए-तैयबा के संपर्क में आया।

आईएमएफ से पाकिस्तान को झटका, लोन की अगली किश्त जारी करने से पहले लगाई 11 शर्तें

इस्लामाबाद। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) से पाकिस्तान को बड़ा झटका लगा है। आईएमएफ ने बैलआउट पैकेज की अगली किस्त जारी करने से पहले पाकिस्तान पर 11 शर्तें लगा दी हैं। अगर पाकिस्तान इन शर्तों को पूरा करेगा तो ही उसे अगली किस्त मिलेगी। इन शर्तों में बजट की संसदीय मंजूरी, बिजली उपभोक्ताओं पर लगने वाले कर्ज सेवा अधिभार में बढ़ोतरी और 3 साल से ज्यादा पुरानी कारों के आयात पर प्रतिबंध हटाना शामिल है। रिपोर्ट के मुताबिक, आईएमएफ द्वारा लागू की गई शर्तों में 17.6 लाख करोड़ रुपये के अगले बजट को संसदीय मंजूरी दिलाना, वित्त वर्ष 2026 का बजट संसद से पारित कराना, जिससे आईएमएफ के लक्ष्य जून, 2025 तक पूरा किया जा सके और कृषि आय कर पर नई नीति लागू करना शामिल है। इसमें आयकर जमा करने, लोगों को कर के दायरे में लाने और जागरूकता फैलाने की योजना शामिल है। ये काम जून, 2025 तक करने होंगे।

पाकिस्तान में लश्कर के आतंकी सैफुल्लाह खालिद की हत्या, भारत में कई हमलों में रहा शामिल

इस्लामाबाद। लश्कर-ए-तैयबा के शीर्ष आतंकी सैफुल्लाह खालिद की पाकिस्तान में अज्ञात हमलावरों ने हत्या कर दी। बताया जा रहा है कि पाकिस्तान के सिंध प्रांत में अज्ञात हमलावरों ने सैफुल्लाह को गोली मारकर हत्या कर दी। सैफुल्लाह भारत में हुए कम से कम 3 आतंकी हमलों का साजिशकर्ता रहा है और भारतीय सुरक्षा एजेंसियों की रडार पर था। पहलगाम आतंकी हमले में भी सैफुल्लाह का नाम सामने आ रहा था। सैफुल्लाह खालिद को सैफुल्लाह कसूरी, अली, हबीबुल्लाह और नौमान समेत कई नामों से भी जाना जाता है। उसे आतंकी हाफिज सईद का बेहद करीबी माना जाता है। वह लश्कर-ए-तैयबा का एक प्रमुख कमांडर और डिप्टी चीफ है और पाकिस्तान के पंजाब प्रांत का रहने वाला है। कई बार उसे पाकिस्तानी सेना के लोगों के साथ देखा गया है। माना जाता है कि जम्मू-कश्मीर में लश्कर की गतिविधियां संचालित करने के लिए सैफुल्लाह मुख्य हैंडलर है। सैफुल्लाह पर महाराष्ट्र के नागपुर स्थित राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ मुख्यालय पर 2006 में हुए हमले की साजिश रचने का आरोप है। 2001 में रामपुर में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल कैंप पर हमले और 2005 में बेंगलुरू में भारतीय विज्ञान कांग्रेस (आईएससी) पर हमले में भी सैफुल्लाह का हाथ सामने आया था। वह कई सालों तक नेपाल में छिपकर अलग नाम से लश्कर की गतिविधियों को अंजाम देता रहा है।

दर्दनाक हादसा : हैदराबाद में एक बहुमंजिला इमारत में लगी भीषण आग, 17 लोग जिंदा जले; दर्जनों घायल

हैदराबाद । आरएनएस

रविवार सुबह हैदराबाद के चारमिनार इलाके में स्थित गुलजार हाउस के पास एक बहुमंजिला इमारत में भीषण आग लगने से कम से कम 17 लोगों की मौत हो गई, जबकि दर्जनों लोग झुलसकर घायल हो गए हैं। यह दर्दनाक घटना सुबह करीब 5 से 6 बजे के बीच की है, जब अधिकांश लोग गहरी नींद में थे।

सूचना मिलते ही दमकल विभाग की 11 गाडिय़ां मौके पर पहुंचीं और राहत व बचाव कार्य शुरू किया गया। आग पर काबू तो पा लिया गया है, लेकिन अफसोसजनक रूप से 17 लोगों को नहीं बचाया जा सका। वहीं, घायलों को तुरंत अस्पताल पहुंचाने के लिए 10 एंबुलेंस को मौके पर बुलाया गया।

दमकल कर्मियों ने अब तक तीन बच्चों सहित कुछ लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला है। सभी गंभीर रूप से झुलसे हुए हैं और अस्पताल में उनका इलाज चल रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि इमारत में करीब 30 लोग रह रहे थे, जिनमें ज्यादातर किराएदार थे। फिलहाल आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है। शुरुआती जानकारी के अनुसार, अत्यधिक गर्मी के कारण सभी एसी एक साथ चल रहे थे, जिससे वायरिंग गर्म हो गई और संभवत: शॉर्ट सर्किट हुआ। चिंगारी ने कुछ ही पलों में पूरे मकान को अपनी चपेट में ले लिया।

स्थानीय निवासी बताते हैं कि आग इतनी तेजी से फैली कि लोगों को बाहर निकलने का मौका भी नहीं मिला। कई लोग धुएं में दम घुटने से बेहोश हो गए, जिनमें से कुछ को अब भी तलाशा जा रहा है। पुलिस और प्रशासन की टीमें मौके पर डटी हुई हैं। इमारत की तलाशी का काम जारी है और पुलिस ने घटना की गंभीरता को देखते हुए जांच के आदेश दे दिए हैं। इस हादसे ने शहरवासियों को झकझोर कर रख दिया है और अब सवाल उठ रहे हैं कि क्या इमारत की सुरक्षा व्यवस्थाएं पर्याप्त थीं।

सोलापुर में टॉवेल कारखाने में आग, 8 लोगों की मौत

सोलापुर । आरएनएस

महाराष्ट्र के सोलापुर में एक टॉवेल कारखाने में आग लग गई। इस घटना में आठ लोगों की मौत हो गई। सभी आठ लोग फैक्ट्री से जुड़े हुए थे। मृतकों में फैक्ट्री के मालिक भी शामिल हैं। घटना सोलापुर के अक्कलकोट रोड औद्योगिक क्षेत्र की है। यहां सेंट्रल टेक्सटाइल मिल टॉवेल कारखाने में शॉर्टसर्किट के कारण आग लग गई। इस हादसे में मालिक और मजदूर परिवार के कुल 8 लोगों की मौत हो गई।

सुबह 3 बजे आग लगने की जानकारी सुरक्षा गार्ड को मिली। इसके बाद उसने पास के कारखाने के सुरक्षा गार्ड को सूचना दी और फायर ब्रिगेड को बुलाया। तुरंत फायर ब्रिगेड की गाडिय़ां घटनास्थल पर पहुंचीं। कारखाने के अंदर जाने के लिए संकरी गली होने के कारण काफी दिक्कतें आईं। तब तक आग ने रौद्र रूप ले लिया था। कारखाने के मालिक उस्मान मंसूरी और एक मजदूर परिवार, कुल 8 लोग कारखाने में काम करने के साथ-साथ वहीं रहते थे।

मेहताब बागवान, उनकी बेटी हीना वसीम शेख और बेटा सलमान मेहताब बागवान के शव सुबह बाहर निकाले गए। वहीं, कारखाने के मालिक उस्मान मंसूरी के परिवार के चार सदस्यों और मजदूर परिवार के एक अन्य सदस्य, कुल 5 लोगों की तलाश जारी थी। दोपहर में कारखाने के मालिक उस्मान मंसूरी, उनके पोते अनस (26), पोती-बहू शिफा मंसूरी (24), पोते के बेटे यूसुफ (1) और मजदूर मेहताब बागवान की पत्नी आयशा बागवान के शव मिले, जो पहचान से परे हो चुके थे। सभी शवों को सरकारी अस्पताल लाया गया, जहां रिश्तेदारों की भारी भीड़ जमा हो गई। एमआईडीसी में स्थित इस कारखाने में टॉवेल और अन्य सामग्री बनाई जाती थी। तडक़े साढ़े तीन बजे आग लगने के कारण आग पर जल्दी काबू नहीं पाया जा सका।

सोलापुर शहर के साथ-साथ अन्य स्थानों और एनटीपीसी से भी फायर ब्रिगेड की 100 गाडिय़ां मंगवाई गईं। बड़ी मात्रा में पानी का छिडक़ाव किया गया, लेकिन आग सुलगती रही। करीब पांच से छह घंटे बाद आग पर काबू पाया गया। हालांकि, तब तक अंदर से आ रही चीखें बंद हो चुकी थीं, ऐसा फायर ब्रिगेड के जवानों ने बताया। फायर ब्रिगेड के कुछ जवान भी झुलस गए हैं।आग की सूचना मिलते ही विधायक सुभाष देशमुख, पूर्व विधायक और मजदूर नेता नरसय्या आडम मास्टर सहित अन्य लोग घटनास्थल पर पहुंचे।

देहरादून में 6 बांग्लादेशी नागरिक पकड़े गए , दो महिलाएं भी शामिल

देहरादून । आरएनएस

उत्तराखंड पुलिस ने 6 बांग्लादेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया है। इनमें 4 पुरुष और 2 महिलाएं शामिल हैं। सभी देहरादून और हरिद्वार में नाम छिपाकर रह रहे थे। उत्तराखंड के देहरादून जिले में क्लेमेंटटाउन थाना के अंतर्गत 6 बांग्लादेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया गया है। इन सभी की मदद करने के आरोप में एक भारतीय महिला को भी गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार किए गए सभी बांग्लादेशी नागरिकों से मिलिट्री इंटेलिजेंस और आईबी पूछताछ कर रही है। रिपोर्ट्स में यह खुलासा हुआ है कि बांग्लादेशी नागरिक मुनीर ने भारतीय महिला से शादी की है। वहीं हरिद्वार में भारतीय संग रह रही बांग्लादेशी महिला को भी गिरफ्तार किया गया है। सभी बांग्लादेशी अपना नाम और पहचान छुपाकर रह रहे थे। रिपोर्ट्स के मुताबिक भारतीय महिला से शादी करने वाला मुनीर 14 साल पहले राधिकापुर बॉर्डर कल्यगंजा पश्चिम बंगाल से अपने मामा के घर कल्याणगंज आया था। उसने दो साल तक नोएडा में काम किया। फिर भारतीय महिला से शादी की। 2016 में उसने झज्जर में ईंट भट्टे पर भी काम किया और फिर बांग्लादेश चला गया। 2023 में वह फिर भारत आया। दिल्ली के अशोक नगर में कुछ समय बिताने के बाद वह देहरादून में रह रहा था। इसके पहले कोटद्वार और रुडक़ी से भी पहचान छुपाकर रह रहे बांग्लादेशी नागरिक हिरासत में लिए गए थे। भारत में बड़े स्तर पर बांग्लादेशी नागरिक अपनी पहचान छुपाकर रह रहे हैं। बिहार, बंगाल, दिल्ली, असम के साथ-साथ उत्तर-पूर्वी राज्यों में इनकी संख्या बहुत ज्यादा है। हर राज्य में अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशी नागरिकों के खिलाफ अभियान चल रहा है और उनकी गिरफ्तारी हो रही है।

लॉन्चिंग के तीसरे चरण में फेल हो गया ईओएस-09, इसरो प्रमुख बोले- हम वापसी करेंगे

श्रीहरिकोटा । आरएनएस

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) का ईओएस-09 मिशन तीसरे चरण में चूक गया। इसकी जानकारी इसरो प्रमुख डॉ. वी. नारायणन ने दी। इसे पोलर सैटेलाइट लॉन्च व्हीकल (पीएसएलवी-सी61) से लॉन्च किया गया था, जो कुछ ही मिनटों में असफल हो गया। आधिकारिक एक्स पोस्ट में बताया गया कि रविवार को 101वां प्रक्षेपण प्रयास किया गया, पीएसएलवी-सी61 का प्रदर्शन दूसरे चरण तक सामान्य रहा। तीसरे चरण में तकनीकी खामी पेश आई जिससे वो चूक गया।

इसरो प्रमुख डॉ. वी. नारायणन ने जानकारी दी कि पीएसएलवी के चार चरणों में से पहले दो चरणों का प्रदर्शन सामान्य रहा, लेकिन

तीसरे चरण में तकनीकी खामी के कारण मिशन को पूरा नहीं किया जा सका। उन्होंने कहा, हम विश्लेषण के बाद वापसी करेंगे। इसरो ने एक्स पर लिखा, पीएसएलवी-सी61 का प्रदर्शन दूसरे चरण तक सामान्य रहा। तीसरे चरण में एक तकनीकी ऑब्जर्वेशन के कारण मिशन पूरा नहीं हो पाया।

इसरो ने रविवार सुबह 5:59 बजे ईओएस-09 को श्रीहरिकोटा के सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से प्रक्षेपित किया था। ईओएस-09 को सूर्य समकालिक ध्रुवीय कक्षा में स्थापित किया जाना था, लेकिन तकनीकी खामियों के चलते सैटेलाइट को उसकी निर्धारित कक्षा में नहीं पहुंचाया जा सका।

ईओएस-09 एक एडवांस पृथ्वी ऑब्जर्वेशन सैटेलाइट है, जिसमें सी-बैंड सिंथेटिक एपर्चर रडार (एसएआर) तकनीक का इस्तेमाल किया गया है। यह सैटेलाइट किसी भी मौसम और दिन-रात में धरती की सतह की हाई-रिजॉल्यूशन तस्वीर लेने में सक्षम है। यह कृषि, वन क्षेत्र प्रबंधन, आपदा प्रबंधन और रक्षा क्षेत्रों में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

इसरो के मुताबिक, यह पीएसएलवी रॉकेट की कुल 63वीं उड़ान और पीएसएलवी-एक्सएल वर्जन की 27वीं उड़ान थी। इस मिशन से पहले इसरो के पीएसएलवी ने अब तक कई सफल लॉन्च पूरे किए थे। ईओएस-09 में लंबी अवधि का फ्यूल भी था, जिससे मिशन समाप्त होने के बाद इसे सुरक्षित तरीके से अंतरिक्ष से हटाया जा सके।

तमिलनाडु : सड़क से फिसलकर 20 फीट गहरी खाई में गिरी बस, 30 यात्री घायल

चेन्नई । आरएनएस

तमिलनाडु के वलपराई के निकट रविवार को तमिलनाडु राज्य परिवहन निगम (टीएनएसटीसी) की एक बस पलट कर 20 फीट गहरी खाई में गिर गई। हादसे में बस सवार 30 लोग घायल हो गए।

मिली जानकारी के अनुसार, यह घटना सुबह करीब 3 बजे वलपराई घाट सेक्शन के घुमावदार पहाड़ी रास्तों पर कावेर्स एस्टेट क्षेत्र के पास हुई। 72 यात्रियों को लेकर जा रही यह बस तिरुपुर से वलपराई जा रही थी, तभी पहाड़ी क्षेत्र में एक मोड़ पर चालक ने कथित तौर पर नियंत्रण खो दिया।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, बस सडक़ से फिसलकर खाई में जा गिरी, यात्रियों में डर का माहौल पैदा हो गया। हालांकि, इस दुर्घटना में सभी यात्री बच गए, लेकिन कई लोगों को गंभीर चोटें आई हैं, जैसे कि कुछ लोगों को फ्रैक्चर, कट और चोट आई।

घटना की सूचना मिलने पर, वलपराई

पुलिस मौके पर पहुंची, 108 एम्बुलेंस सेवाओं ने तत्काल बचाव अभियान शुरू किया।

स्थानीय लोगों के साथ आपातकालीन सेवा दलों की मदद से दुर्गम इलाके में से घायलों को रेस्क्यू कर उन्हें वलपराई स्थित सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां डॉक्टरों की निगरानी में इलाज किया जा रहा है।

बस चालक गणेश (49) को गंभीर चोट आई और उसे उपचार के लिए पोलाची सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया।

अस्पताल सूत्रों के अनुसार, ड्राइवर की हालत स्थिर है, लेकिन उसे आगे चिकित्सकीय निगरानी की आवश्यकता है।

वलपराई सरकारी अस्पताल के डॉक्टरों ने पुष्टि की कि अधिकांश घायलों की हालत स्थिर है तथा उनका इलाज किया जा रहा है। अस्पताल प्रशासन की ओर से बताया गया है कि गंभीर रूप से घायल लोगों को विशेष देखभाल के लिए निकटवर्ती अस्पतालों में भेजा गया।

दूसरी ओर, अधिकारियों ने दुर्घटना का कारण जानने के लिए जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक जांच से पता चला है कि सुबह के समय खराब दृश्यता और सडक़ पर फिसलन की स्थिति संभावित कारण हो सकती है। परिवहन विभाग के अधिकारियों द्वारा वाहन और दुर्घटना स्थल का विस्तृत निरीक्षण किए जाने की संभावना है। जांच पूरी होने के बाद दुर्घटना की पूरी तस्वीर साफ हो पाएगी।

विदेश मंत्री जयशंकर 19 मई से करेंगे यूरोप के 6 दिवसीय दौरे की शुरुआत

नईदिल्ली । आरएनएस

विदेश मंत्री एस जयशंकर सोमवार (19 मई) को नीदरलैंड, डेनमार्क और जर्मनी की आधिकारिक यात्रा के साथ अपनी 6 दिवसीय यूरोप यात्रा की शुरुआत करेंगे। उनकी यह यात्रा 24 मई तक चलेगी।

विदेश मंत्रालय ने बताया कि विदेश मंत्री जयशंकर तीनों देशों के शीर्ष नेतृत्व से मुलाकात करेंगे और अपने समकक्षों के साथ द्विपक्षीय संबंधों के संपूर्ण आयाम के साथ-साथ आपसी हित के क्षेत्रीय और वैश्विक मामलों पर भी चर्चा करेंगे।

यह यात्रा संभवत: भारत द्वारा प्रमुख यूरोपीय भागीदारों के साथ अपने रणनीतिक जुड़ाव को गहरा करने के निरंतर प्रयासों का हिस्सा है।

चर्चाओं में व्यापार, प्रौद्योगिकी, नवीकरणीय ऊर्जा, नवाचार और लोगों के बीच आपसी संबंधों में सहयोग शामिल होने की उम्मीद है।

यह यात्रा भारत द्वारा यूनाइटेड किंगडम के बीच मुक्त व्यापार समझौता होने के बाद हो रही है। जिसके तहत ब्रिटेन के बाजार में 99 प्रतिशत भारतीय उत्पादों पर टैरिफ समाप्त हो गया है।

इस महीने की शुरुआत में विदेश मंत्री जयशंकर ने आर्कटिक सर्कल इंडिया फोरम 2025 में कुछ यूरोपीय देशों पर निशाना साधते हुए कहा था कि भारत साझेदारों की तलाश कर रहा है, न कि ऐसे उपदेशकों की जो अपने देश में समान सिद्धांतों का पालन नहीं करते।

पाकिस्तान को बेनकाब करेगा 59 सदस्यों का प्रतिनिधिमंडल; जानें किसे मिली जगह, कौनसा दल कहां जाएगा

नईदिल्ली । आरएनएस

आतंकवाद पर पाकिस्तान को बेनकाब करने और ऑपरेशन सिंदूर की जानकारी देने के लिए एक बड़े कूटनीतिक कदम के तहत केंद्र सरकार 7 प्रतिनिधिमंडलों को अलग-अलग देशों में भेजेगी।

इन सभी प्रतिनिधिमंडल में 59 सदस्य हैं, जिनमें विपक्ष के नेता और राजदूत भी शामिल हैं।

ये प्रतिनिधिमंडल दुनिया के कई देशों खासकर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के सदस्य देशों का दौरा करेगा और ऑपरेशन सिंदूर और पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद पर भारत का रुख रखेगा।

कांग्रेस सांसद शशि थरूर, भाजपा

सांसद रविशंकर प्रसाद और बैजयंत पांडा, जनता दल यूनाइटेड सांसद संजय कुमार झा, द्रविड़ मुन्नेत्र कडग़म सांसद कनिमोझी करुणानिधि, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी सांसद सुप्रिया सुले और शिवसेना सांसद एकनाथ श्रीकांत शिंदे प्रतिनिधिमंडलों की अगुवाई करेंगे।

हर प्रतिनिधिमंडल में 8 से 9 सदस्य हैं और कम से कम एक मुस्लिम चेहरे को जगह मिली है। इसके अलावा पूर्व मंत्री, राजदूत और 6-7 सांसद भी शामिल हैं।

पहले प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व बैजयंत पांडा कर रहे हैं। इसमें निशिकांत दुबे, फांगनोन कोन्याक, रेखा शर्मा, असदुद्दीन ओवैसी, सतनाम संधू, गुलाम नबी आजाद और हर्ष श्रृंगला शामिल हैं।

ये समूह सऊदी अरब, कुवैत, बहरीन और अल्जीरिया की यात्रा करेगा।

दूसरे प्रतिनिधिमंडल में भाजपा के दग्गुबत्ती पुरंदेश्वरी और समिक भट्टाचार्य, शिवसेना की प्रियंका चतुर्वेदी, गुलाम नबी खटाना, कांग्रेस के अमर सिंह, पूर्व मंत्री एमजे अकबर और पूर्व राजनयिक पंकज सरन हैं।

ये ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी, यूरोपीय संघ, इटली और डेनमार्क जाएंगे।

शिंदे की अगुवाई वाला प्रतिनिधिमंडल संयुक्त अरब अमीरात, लाइबेरिया, कांगो और सिएरा लियोन जाएगा। इसमें बांसुरी स्वराज, ईटी मोहम्मद बशीर, अतुल गर्ग, सस्मित पात्रा, मनन कुमार मिश्रा, एसएस अहलूवालिया और सुजान चिनॉय शामिल हैं।

थरूर की अगुवाई वाले प्रतिनिधिमंडल में एलजेपी सांसद शांभवी, जेएमएम के सरफराज अहमद, टीडीपी सांसद हरीश बालयोगी, भाजपा के शशांक मणि त्रिपाठी, तेजस्वी सूर्या और भुवनेश्वर कलिता, शिवसेना के मिलिंद देवड़ा और पूर्व राजनयिक तरनजीत संधू शामिल हैं।

यह अमेरिका, पनामा, गुयाना, कोलंबिया और ब्राजील की यात्रा करेगा।

संजय झा के नेतृत्व वाला प्रतिनिधिमंडल इंडोनेशिया, मलेशिया, दक्षिण कोरिया, जापान और सिंगापुर जाएगा।

इसमें अपराजिता सारंगी, प्रदान बरूआ, हेमंग जोशी और बृजलाल (सभी भाजपा), यूसुफ पठान (टीएमसी), जॉन ब्रिटास (सीपीआई-एम), पूर्व मंत्री खुर्शीद और पूर्व राजनयिक मोहन कुमार शामिल हैं।

कनिमोझी के नेतृत्व वाले प्रतिनिधिमंडल में राजीव राय (सपा), अल्ताफ अहमद (एनसी), बृजेश चौटा (भाजपा), प्रेमचंद गुप्ता (राजद), अशोक मित्तल (आप), पूर्व राजनयिक मंजीव पुरी और जावेद अशरफ शामिल हैं।

ये स्पेन, ग्रीस, स्लोवेनिया, लातविया और रूस जाएंगे।

7वें प्रतिनिधिमंडल की अगुवाई सुप्रिया सुले कर रही हैं, जो मिस्र, कतर, इथियोपिया और दक्षिण अफ्रीका जाएगा।

इसमें भाजपा के राजीव प्रताप रूडी और अनुराग ठाकुर, आप के विक्रमजीत साहनी, कांग्रेस के मनीष तिवारी, टीडीपी के लावु श्रीकृष्ण देवरायलू, पूर्व मंत्री मुरलीधरन, आनंद शर्मा और पूर्व राजनयिक सैयद अकबरुद्दीन शामिल हैं।

कांग्रेस ने प्रतिनिधिमंडल के लिए आनंद शर्मा, गौरव गोगोई, नसीर हुसैन और अमरिंदर सिंह राजा वारिंग के नाम दिए थे। इसमें से केवल आनंद शर्मा को शामिल किया है।